

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - २

रविवार, १० जुलाई, २०११

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

□	□	□	□	□	□	□
---	---	---	---	---	---	---

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ५

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → गुण : १ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “यदि हम माँ की देहक्रिया करने में व्यस्त रहेंगे तो महाराज डडुसर से चले जाएँगे ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “तुम्हारे रथ में कौन सो रहा है ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “जो भी तैयार हो ले आओ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. हिमराज शाह सत्संगी हो गए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. एकान्तिक संत के साथ मन, कर्म, वाणी से संग करना चाहिए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. किस छः चीजों की निंदा नहीं करनी चाहिए ?

गुण : १

२. वरताल में कौन-सी मूर्ति रामप्रतापभाई के साथ बातें करती थी ?

गुण : १

३. सत्संगी के पंचवर्तमान क्या हैं ?

गुण : १

४. किस को सुख नहीं मिलता है ?

गुण : १

५. किस पाँच स्वरूप को अच्छी प्रकार से जानना ज्ञान है ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ८ का निरूपण कीजिए । (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. असूर अधर्मी

कराव्या त्याग । गुण : २

२. जणस स्वादु रे

हरिजनने मन गमे । गुण : २

३. ध्यायतो

भिजायते ॥ गुण : २

४. “भवसंभवभीतिभेदनं भजे सदा ॥” - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “ऐसी बातें करोगे तो तुम्हारी कोई पिटाई कर देगा ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. “इसलिए सभी अवस्थाओं में खाते-पीते, सोते-चलते हमें भगवान का स्मरण करना चाहिए और जाप करना चाहिए ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. “संतत्व की कला बड़ी कठिन है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. प्रत्येक प्राणी मात्र चमार ही है और चमड़ा चूथता है ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. गीरधरभाई ने प्रागजी भक्त को गुरु किया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	प्र-९
----------------------------------	-------------	-------

३. भगतजी ने सभी संतों को चन्दन लिपटे शरीर के साथ आलिंगन किया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ 'अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी के पास ।' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. पीज के मोतीलाल को स्वप्न में दर्शन देकर श्रीजीमहाराज ने क्या कहा ?

गुण : १

.....

२. रावसाहब के फौजदार ने संतों से क्या कहा ?

गुण : १

.....

३. गढपुर में आचार्य महाराज ने भगतजी से क्या पूछा ?

गुण : १

.....

४. भगतजी ने वलसाड़ से महुवा आते हुए किन दो हरिभक्तों की नौका में रक्षा की ?

गुण : १

.....

५. भगतजी ने क्या बेचकर संतों को भोजन करवाया ?

गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अक्षर के ज्ञान का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी

गुण : २

(१) मेरे में भक्ति बहुत भरी है ।

(२) मेरे में ज्ञान बहुत भरा है ।

(३) सत्पात्र नहीं मिल रहा है ।

(४) मेरे में सेवा बहुत भरी है ।

२. शिष्य की योग्यता की परीक्षा

गुण : २

(१) स्वामी घास काटने के लिए गए ।

(२) स्वामी की सेवा में देह न्यौछावर कर दी है ।

(३) स्वामी जुआर काटने के लिए गए ।

(४) स्वामी की सेवा में सत्संग न्यौछावर कर दिया है ।

३. निष्कासन वापस लिया

गुण : २

(१) राधावाड़ी में मूर्ति-प्रतिष्ठा का उत्सव ।

(२) भगतजी महाराज की मूर्ति के दर्शन करके भूत निकलकर भाग गया ।

(३) खानदेश के हरिभक्त महुवा पधारने लगे ।

(४) खानदेश के हरिभक्त जूनागढ़ पधारने लगे ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. सत्संग में कुसंग : गढ़डा के संतों ने मुझे रसोई देने का निश्चय किया है, क्योंकि तू मेरा बहुत पक्ष रखता है, उन्होंने तुझे सत्संग में प्रमुख स्थान देने का निश्चय किया है, किन्तु इस देश में कोई सफल नहीं होगा ।

उ.

गुण : १

२. प्रागजी भक्त का बाल्यकाल : इस मन्दिर के मुख्य कोठारी स्वामी इस बालक की लगन एवं तप से बहुत प्रसन्न होते थे । प्रागजी कोठारी स्वामी के काम में सहायता किया करते थे । कोठारी स्वामी भागवत की कथा कहते, प्रागजी कथा को बड़े ध्यान से सुनते ।

उ.

गुण : १

३. सत्संग से निष्कासित : आधी रात में उन्हें भूख लगी, जैसे ही उन्होंने रोटी मुख में रखी, उनके सारे शरीर में तीव्र जलन हुई । वे तुरन्त समझ गए कि रोटीयाँ में विष है, अतः उन्होंने उन्हें पानी में फेंक दिया ।

उ.

गुण : १

४. अक्षर के ज्ञान का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी : जागा स्वामी के शरीर में बात लग गई और उन्होंने महाराज का आशीर्वाद पाने के योग्य बनने का निश्चय किया । श्रीजीमहाराज ने योग्य शिष्य के गुण देखे और उन्हें चरणारविंद देकर आशीर्वाद दिया ।

उ.

गुण : १

५. भगतजी के संत कठिनाई में : इनका तप-त्याग भी अद्भुत है। ये गृहस्थी हैं तो भी कोई आकार इन्हें छूता तक नहीं है । जब कभी भी गुणातीतानन्द स्वामी का कोई सन्देश इन्हें मिलता है, ये उन्हें मिलने जाने के लिए तुरन्त घर छोड़ देते हैं ।

उ.

गुण : १

६. गूदड़ी में लाल : तुलसीदास के प्रसाद के मुंग के आधे दाने से यदि कोई एकसो-आठ रामभक्त बना सकता है, तो यह तो महाप्रसाद है । प्रागजी तो शुद्ध हृदय है ।

उ.

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें